

## उत्तर-पूर्वी मानसून 2010: एक समीक्षा\* (1 अक्टूबर से 31 दिसंबर 2010 तक)

दक्षिण-पश्चिमी मानसून के सामान्य रहने के उपरांत उत्तर-पूर्वी मानसून भी संतोषजनक रहने से 2010-11 में कृषि उत्पादन में सुधार की संभावनाएं काफी बढ़ गई हैं। अक्टूबर-दिसंबर 2010 के दौरान पूरे देश की संचयी वर्षा दीर्घावधि औसत (एलपीए) से 21 प्रतिशत अधिक रही। खाद्यान्नों में गेहूं तथा दालों के बुआई के क्षेत्र इन खाद्यान्नों के बुआई के सामान्य क्षेत्रों तथा पिछले वर्ष के बुआई वाले क्षेत्रों से अधिक रहे। अद्यतन आंकड़ों के अनुसार 11 फरवरी 2011 को सभी रबी फसलों का बुआई का क्षेत्र अपने सामान्य क्षेत्र से 104.9 प्रतिशत तथा पिछले वर्ष के बुआई के क्षेत्र से 2.4 प्रतिशत अधिक रहा। 10 फरवरी 2011 को देश के सभी प्रमुख 81 जलाशयों में वास्तविक जल भंडारण उनकी कुल क्षमता की तुलना में 55 प्रतिशत रहा जबकि पिछले वर्ष यह 40 प्रतिशत था। रबी की फसलों के लिए यह स्थिति अच्छी है। इस प्रकार अनुमान है कि प्रमुख रबी फसलों के उत्पादन में उल्लेखनीय वृद्धि होगी।

### भूमिका

देश की कुल वर्षा का लगभग 20 प्रतिशत वर्षा उत्तर-पूर्वी मानसून से प्राप्त होती है। अक्टूबर-दिसंबर के दौरान उत्तर-पूर्वी मानसून के आगमन तथा रबी की फसलों की बुआई का समय एक ही होने के कारण रबी की फसलों के अच्छे उत्पादन के लिए उत्तर-पूर्वी मानसून एक महत्वपूर्ण कारक है। उत्तर-पूर्वी मानसून के महत्व का अनुमान इस बात से लगाया जा सकता है कि कुल दलहन के लगभग 70 प्रतिशत तथा तिलहन के 40 प्रतिशत का उत्पादन रबी के मौसम में किया जाता है। इन कारकों को ध्यान में रखते हुए इस लेख में अक्टूबर-दिसंबर 2010 के दौरान उत्तर-पूर्वी मानसून के निष्पादन की समीक्षा की गई है।

### उत्तर-पूर्वी मानसून 2010: मुख्य-मख्य बातें

- 2010 के दौरान उत्तर-पूर्वी मानसून का आगमन 29 अक्टूबर 2010 को तमिलनाडु, केरल तथा आंध्र प्रदेश और कर्नाटक के समीपर्वी क्षेत्रों में हुआ।

\*संरचनात्मक विषय प्रभाग, आर्थिक और नीति अनुसंधान विभाग, भारतीय रिजर्व बैंक में तैयार किया गया।

- उत्तर-पूर्वी मानसून 2010 के दौरान संचयी वर्षा पूरे देश में औसतन लगभग 153.2 मि.मी. रही जबकि सामान्य वर्षा का स्तर 126.3 मि.मी. है। इस स्तर पर वर्षा दीर्घावधि औसत से 21 प्रतिशत अधिक रही जबकि पिछले वर्ष की इसी अवधि के दौरान वर्षा का स्तर दीर्घावधि औसत से 8 प्रतिशत अधिक था।
- पूरे देश में मासिक वर्षा अक्टूबर में दीर्घावधि औसत से 13 प्रतिशत कम, नवंबर में दीर्घावधि औसत से 95 प्रतिशत अधिक तथा दिसंबर में दीर्घावधि औसत से 26 प्रतिशत अधिक रही।
- उत्तर-पूर्वी मानसून के दौरान वर्षा वाले प्रमुख राज्यों अर्थात् तमिलनाडु, रायलसीमा, तटीय आंध्र प्रदेश, दक्षिणी भीतरी कर्नाटक तथा केरल में अधिक वर्षा हुई जो दीर्घावधि औसत से भी 55 प्रतिशत अधिक थी।
- 1 अक्टूबर से 31 दिसंबर 2010 तक मौसमी वर्षा 25 (69 प्रतिशत) मौसम उप खंडों में सामान्य / अधिक रही तथा 11 उप खंडों (31 प्रतिशत) में वर्षा की स्थिति कम / अल्प / वर्षा नहीं थी।
- जिला-वार रूप में 597 मौसमी जिलों के आंकड़े उपलब्ध थे। इनमें से 60 प्रतिशत जिलों में वर्षा अधिक / सामान्य रही जबकि शेष जिलों में वर्षा की स्थिति कम / अल्प / वर्षा नहीं थी।

### उत्तर-पूर्वी मानसून 2010: विहगावलोकन

2009-10 के दौरान उत्तर-पूर्वी मानसून के सामान्य रहने के चलते रबी खाद्यान्नों के उत्पादन में अपेक्षा से अधिक की वृद्धि हुई जिसने दक्षिण-पश्चिमी मानसून के दौरान कम वर्षा के चलते खरीफ खाद्यान्नों के उत्पादन में हुई हानि के एक बड़े हिस्से की भरपाई की। पिछले एक दशक के दौरान जिन वर्षों में उत्तर-पूर्वी मानसून की वर्षा सामान्य से कम रही उन वर्षों के दौरान रबी दालों तथा तिलहनों के उत्पादन की स्थिति सारणी 1 में दी गयी है।

### संचयी वर्षा

1 अक्टूबर से 31 दिसंबर 2010 के दौरान संचयी वर्षा का स्तर सामान्य से 21 प्रतिशत अधिक रहा जबकि पिछले वर्ष इसी अवधि के दौरान संचयी वर्षा का स्तर सामान्य से 8 प्रतिशत अधिक था।

## लेख

उत्तर-पूर्वी मानसून 2010: एक समीक्षा  
(1 अक्टूबर से 31 दिसंबर 2010 तक)

**सारणी 1: उत्तर-पूर्वी मानसून में कम वर्षा के वर्षों के दौरान रबी फसलों का उत्पादन**

वर्ष	उत्तर-पूर्वी मानसून अधिक (+)/ कम (-) सामान्य (प्रतिशत)	रबी दालों के उत्पादन में वृद्धि (प्रतिशत)	रबी खाद्यानों के उत्पादन में वृद्धि (प्रतिशत)	रबी तिलहनों में वृद्धि (प्रतिशत)
1	2	3	4	5
2008-09	-31	18.2	5.9	9.6
2007-08	-32	-11.1	2.9	-12.0
2006-07	-21	10.3	8.1	-8.3
2004-05	-11	-3.8	-1.2	19.9
2002-03	-33	-18.2	-13.1	-21.2

स्रोत: भारतीय मौसम विज्ञान विभाग तथा कृषि मंत्रालय।

स्थानिक वितरण के अनुसार अक्टूबर-दिसंबर 2010 के दौरान वर्षा का वितरण समान नहीं था। अक्टूबर-दिसंबर के दौरान 36 मौसमी उप खंडों में से 25 उप खंडों में (पिछले वर्ष की इसी अवधि में 23 उप खंडों की तुलना में) संचयी वर्षा का स्तर अधिक / सामान्य रहा जबकि 11 उप खंडों (पिछले वर्ष 13 उप खंडों की तुलना में) में वर्षा का स्तर कम / अल्प / वर्षा नहीं था (चार्ट 1, सारणी 1 और 2 तथा विवरण I)।

दक्षिण-पूर्वी मानसून वाले सभी पांच प्रमुख क्षेत्रों अर्थात् तमिलनाडु, रायलसीमा, तटीय आंध्र प्रदेश, दक्षिणी भीतरी कर्नाटक और केरल में वर्षा का स्तर अधिक था। इन उप खंडों में मौसमी वर्षा का स्तर दीर्घावधि औसत का 155 प्रतिशत था। दक्षिण भारत के शेष भागों में तथा पश्चिमी तथा पूर्वी भारत के कुछ भागों में भी अधिक से सामान्य स्तर की वर्षा हुई।

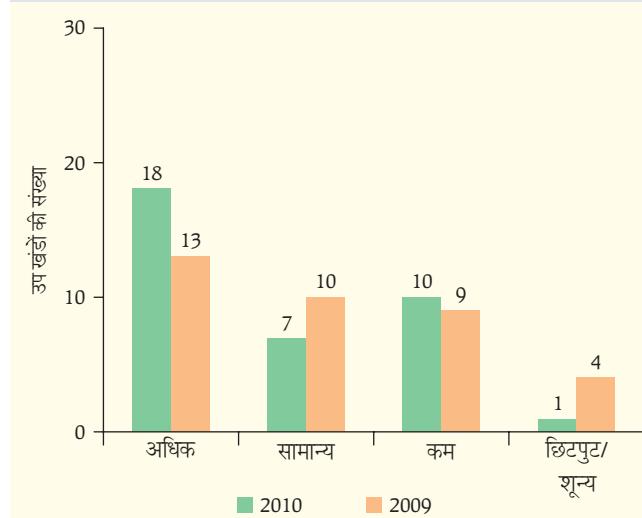
**सारणी 2: उत्तर-पूर्वी मानसून संचयी वर्षा**

वर्ष	संचयी वर्षा : सामान्य से अधिक (+)/नीचे (-) सामान्य (प्रतिशत)	वर्षा			
		अधिक	सामान्य	कम	छिटपुट/शून्य
		उप-खंडों की संख्या (कुल=36)			
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
2002	-33	3	7	12	14
2003	8	9	9	6	12
2004	-11	8	10	17	1
2005	10	11	6	5	14
2006	-21	3	6	14	13
2007	-32	2	7	9	18
2008	-31	2	4	15	15
2009	8	13	10	9	4
2010	21	18	7	10	1

स्रोत: भारतीय मौसम विभाग

\*अधिक: + 20 प्रतिशत अथवा अधिक; सामान्य: + 19 प्रतिशत से - 19 प्रतिशत; कम: - 20 प्रतिशत से - 59 प्रतिशत; छिटपुट: -60 प्रतिशत से - 99 प्रतिशत; वर्षा नहीं: - 100 प्रतिशत (सभी आंकड़े दीर्घावधि औसत की तुलना में)

**चार्ट 1: उत्तर-पूर्वी मानसून 2010 - स्थानिक वितरण**



### वर्षा का कालिक वितरण

अक्टूबर 2010 के तीसरे सप्ताह तक वर्षा का साप्ताहिक वितरण दीर्घावधि औसत से कम था। दिसंबर 2010 के मध्य तक आठ सप्ताहों की अवधि में वर्षा का स्तर दीर्घावधि औसत से अधिक बना रहा जिसके बाद यह धीर-धीरे दीर्घावधि औसत से कम होता चला गया। पिछले वर्ष की तुलना में 2010 के दौरान वर्षा का कालिक वितरण काफी अधिक समान था। उत्तर-पूर्वी मानसून के देरी से आने के कारण अक्टूबर 2010 में वर्षा का स्तर दीर्घावधि औसत से 13 प्रतिशत कम था। परंतु नवंबर तथा दिसंबर 2010 के दौरान वर्षा का स्तर दीर्घावधि औसत से क्रमशः 95 प्रतिशत तथा 26 प्रतिशत अधिक था (चार्ट 2 तथा सारणी 4)।

## सारणी 3: वर्षा की श्रेणी के अनुसार उप-खंडों का वितरण

वर्षा की श्रेणी	उपखंड
(1)	(2)
अधिक	अंदमान और निकोबार द्वीप समूह, उड़ीसा, पश्चिमी राजस्थान, पूर्वी राजस्थान, गुजरात क्षेत्र, दमन दादरा और नगर हवेली, सौराष्ट्र तथा कन्छ, कोंकण तथा गोवा, मध्य महाराष्ट्र, विदर्भ, तटीय आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, रायलसीमा, तमिलनाडु तथा पुदुचेरी, तटीय कर्नाटक, उत्तर मध्य कर्नाटक, दक्षिण मध्य कर्नाटक, केरल तथा लक्ष्मीपुर
सामान्य	नागार्लैंड, मिजोरम और त्रिपुरा, गांगेय पश्चिम बंगाल, झारखंड, हिमाचल प्रदेश, पश्चिमी मध्य प्रदेश, मराठवाडा तथा छत्तीसगढ़
कम	अरुणाचल प्रदेश, असम तथा मेघालय, उप हिमालयी पश्चिम बंगाल तथा सिक्किम, बिहार, पश्चिमी उत्तर प्रदेश, उत्तरखण्ड, हरियाणा, छत्तीसगढ़ तथा दिल्ली, पंजाब, जम्मू और कश्मीर तथा पूर्वी मध्य प्रदेश
छिपट	पूर्वी उत्तर प्रदेश

स्रोत: भारतीय मौसम विभाग।

## जिला स्तरीय संचयी वर्षा

जिला-वार रूप में 597 मौसमी जिलों के आंकड़े उपलब्ध थे। इनमें से 60 प्रतिशत जिलों में वर्षा अधिक / सामान्य रही जबकि शेष 40 प्रतिशत जिलों में वर्षा की स्थिति कम / अल्प / वर्षा नहीं थी (विवरण II)। पिछले वर्ष की इसी अवधि के दौरान के ये आंकड़े क्रमशः 58 प्रतिशत तथा 42 प्रतिशत थे।

## जलाशय स्तर

भारत में केंद्रीय जल आयोग कुल 81 प्रमुख जलाशयों के कुल जल भंडारण की निगरानी करता है, जिनका पूर्ण जलाशय स्तर 151.77 बिलियन घन मीटर (बीसीएम) है जो देश की कुल जलाशय क्षमता के 67 प्रतिशत के आसपास है। अच्छे मानसून के चलते 2010 में रबी के मौसम की शुरुआत और अंत में जलाशयों का स्तर पिछले वर्ष की तुलना में काफी अधिक था (सारणी 5)। 10 फरवरी 2011 की स्थिति

के अनुसार इन प्रमुख 81 जलाशयों में जल का भंडार जलाशय की पूर्ण क्षमता स्तर (एफआरएल) का 55 प्रतिशत था जबकि एक वर्ष पूर्व यह 40 प्रतिशत था।

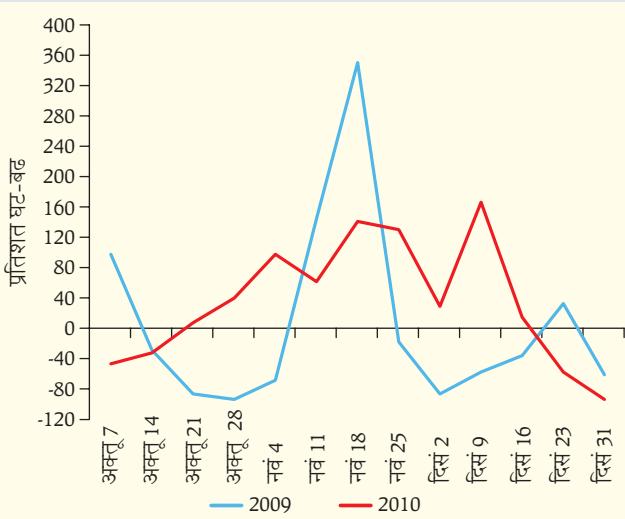
## रबी की बुआई की प्रगति : 2010-11

2010-11 में रबी फसल का क्षेत्र पहले के मुकाबले अधिक था जो अक्टूबर-दिसंबर 2010 के दौरान उत्तर-पूर्वी मानसून की संतोषजनक स्थिति के असर को दर्शाता है। रबी के मौसम के दौरान (11 फरवरी 2011 तक) सभी फसल की बुआई का स्तर सामान्य का 104.9 प्रतिशत था तथा पिछले वर्ष के मुकाबले यह 2.4 प्रतिशत अधिक था (सारणी 6)।

## कृषि उत्पादन का अनुमान : 2010-11

दूसरे अग्रिम अनुमान के अनुसार 2010-11 के दौरान खाद्यान्न का उत्पादन 232.1 मिलियन टन रहेगा जो पिछले वर्ष के 218.1 मिलियन टन के उत्पादन स्तर से 6.4 प्रतिशत अधिक है। खाद्यान्नों के सभी उप समूहों के उत्पादन में वृद्धि होने का अनुमान किया गया है - अर्थात् चावल (5.5 प्रतिशत), गेहूं (0.8 प्रतिशत), दालें (12.6 प्रतिशत), तथा मोटे अनाज (19.5 प्रतिशत)। तिलहनों का उत्पादन

चार्ट 2: उत्तर-पूर्वी मानसून 2010 के दौरान कालिक वितरण (साप्ताहिक)



सारणी 4: उत्तर-पूर्वी मानसून 2010 के दौरान माहवार वर्षा

माह	कुल वर्षा (मि.मी. में)		सामान्य की तुलना में प्रतिशत अंतर
	वास्तविक	सामान्य	
(1)	(2)	(3)	(4)
अक्टूबर 2010	69.0	78.9	-13
नवंबर 2010	58.0	29.8	95
दिसंबर 2010	22.4	17.8	26
समग्र	153.2	126.3	21

नोट: मि.मी.: मिली मीटर

स्रोत: भारतीय मौसम विभाग।

## लेख

उत्तर-पूर्वी मानसून 2010: एक समीक्षा  
(1 अक्टूबर से 31 दिसंबर 2010 तक)

### सारणी 5: जलाशय की स्थिति

स्थिति	सितंबर 30		दिसंबर 30	
	2009	2010	2009	2010
1	2	3	4	5
कुल जल भंडारण (बीसीएम)	91.06	114.45	78.92	104.68
एफआरएल पर जलक्षमता के प्रतिशत के रूप में	60	75	52	69

टिप्पणी: बीसीएम - बिलियन घन मीटर; एफआरएल - पूर्ण जलाशय स्तर।

स्रोत: केंद्रीय जल आयोग।

11.9 प्रतिशत की बढ़ोतरी के साथ 2009-10 के 24.9 मिलियन टन से बढ़कर 2010-11 में 27.9 मिलियन टन हो जाने का अनुमान किया गया है। 2010-11 के दौरान अन्य वाणिज्यिक फसलों अर्थात् कपास तथा गन्ने के उत्पादन में उल्लेखनीय वृद्धि होने तथा जूट और मेस्ता के उत्पादन में गिरावट आने का अनुमान किया गया है (सारणी 7)।

### सारणी 6: रबी फसलों की बुआई - 2010-11

(क्षेत्र मिलियन हेक्टेयर में)

फसल	रबी फसलों की बुआई^		2009-10 का प्रतिशत	सामान्य 2010-11 का प्रतिशत
	सामान्य	2009-10	2010-11	
1	2	3	4	5
कुल खाद्यान्न	49.93	52.19	53.25	102.04
चावल	4.25	3.36	2.81	83.70
गेहूँ	27.33	28.36	29.28	103.25
मोटे अनाज	6.32	6.50	6.00	92.32
कुल दालें	12.02	13.97	15.16	108.51
कुल तिलहन	9.98	9.19	9.57	104.18
सभी फसलें	59.91	61.38	62.83	102.36
				104.87

^ रबी फसलों की बुआई फरवरी 11 की स्थिति के अनुसार।

स्रोत: कृषि मंत्रालय, भारत सरकार।

### सारणी 7: कृषि उत्पादन - 2010-11

(उत्पादन मिलियन टन में)

फसल	2008-09 अंतिम	2009-10 अंतिम	2010-11 द्वितीय अग्रिम	प्रतिशत घट-बढ़
			अनुमान	
1	2	3	4	5
कुल खाद्यान्न	234.47	218.11	232.07	6.4
चावल	99.18	89.09	94.01	5.5
गेहूँ	80.68	80.80	81.47	0.8
मोटे अनाज	40.03	33.55	40.08	19.5
कुल दालें	14.57	14.66	16.51	12.6
कुल तिलहन	27.72	24.88	27.85	11.9
कपास #	22.28	24.23	33.93	40.0
जूट # #	9.63	11.23	9.49	-15.5
मेस्ता # #	0.73	0.59	0.58	-1.7
गन्ना	285.03	292.30	336.70	15.2

# 170 किलोग्राम की मिलियन गांठें।

## 180 किलोग्राम की मिलियन गांठें।

स्रोत: कृषि मंत्रालय, भारत सरकार।

उत्तर-पूर्वी मानसून 2010: एक समीक्षा  
(1 अक्टूबर से 31 दिसंबर 2010 तक)

### विवरण 1: वर्षा संबंधी मौलिक आंकड़े (संचयी)

उप प्रभाग	1 अक्टूबर से 31 दिसंबर 2010 की अवधि के दौरान वर्षा			1 अक्टूबर से 31 दिसंबर 2009 की अवधि के दौरान वर्षा		
	वास्तविक (मि.पी.)	सामान्य (मि.पी.)	सामान्य से % विचलन	वास्तविक (मि.पी.)	सामान्य (मि.पी.)	सामान्य से % विचलन
1. अंदमान तथा निकोबार द्वीपसमूह	951.0	723.5	31 फै	428.1	700.4	-39 डी
2. अस्साचल प्रदेश	145.2	240.7	-40 डी	140.1	243.7	-43 डी
3. असम और मेघालय	121.0	205.7	-41 डी	148.6	190.5	-22 डी
4. नगालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा	254.6	225.7	13 एन	147.9	195.3	-24 डी
5. उप हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम	116.4	188.4	-38 डी	264.6	183.1	44 फै
6. पश्चिम बंगाल का गांगेय क्षेत्र	137.2	155.1	-12 एन	95.7	159.3	-40 डी
7. उड़ीसा	220.6	156.0	41 फै	147.4	155.2	-5 एन
8. झारखण्ड	81.5	97.6	-16 एन	127.5	100.4	27 फै
9. बिहार	54.6	78.9	-31 डी	76.9	78.6	-2 एन
10. पूर्वी उत्तर प्रदेश	22.1	60.8	-64 एस	103.9	61.9	68 फै
11. पश्चिमी उत्तर प्रदेश	21.1	50.2	-58 डी	77.7	50.8	53 फै
12. उत्तराखण्ड	40.4	85.9	-53 डी	97.1	86.7	12 एन
13. हरियाणा, चंडीगढ़ और दिल्ली	14.2	27.2	-48 डी	3.3	27.4	-88 एस
14. पंजाब	22.9	41.1	-44 डी	8.8	41.5	-79 एस
15. हिमाचल प्रदेश	92.5	111.1	-17 एन	71.6	111.5	-36 डी
16. जम्मू और कश्मीर	101.3	146.3	-31 डी	73.8	152.6	-52 डी
17. पश्चिमी राजस्थान	31.2	8.3	276 फै	0.5	8.9	-95 एस
18. पूर्वी राजस्थान	77.6	26.0	198 फै	31.8	26.0	22 फै
19. पश्चिमी मध्य प्रदेश	60.2	52.7	14 एन	121.5	52.0	134 फै
20. पूर्वी मध्य प्रदेश	31.0	60.3	-49 डी	139.0	59.1	135 फै
21. गुजरात क्षेत्र, दमन, दादर और नगर हवेली	48.4	33.8	43 फै	36.0	34.7	4 एन
22. सौराष्ट्र और कल्याण	67.8	26.0	161 फै	4.1	26.0	-84 एस
23. कोंकण और गोवा	299.1	135.5	121 फै	417.9	135.4	209 फै
24. मध्य महाराष्ट्र	152.5	104.4	46 फै	222.8	105.4	111 फै
25. मराठवाड़ा	105.3	95.7	10 एन	139.5	96.0	45 फै
26. विदर्भ	94.7	75.5	25 फै	113.2	75.3	50 फै
27. छत्तीसगढ़	92.7	81.1	14 एन	50.5	82.0	-38 डी
28. तटीय आंध्र प्रदेश	574.1	326.6	76 फै	261.6	326.2	-20 डी
29. तेलंगाना	165.1	109.1	51 फै	128.2	109.6	17 एन
30. रायलसीमा	275.1	212.2	30 फै	210.3	212.1	-1 एन
31. तमिलनाडु और पांडिचेरी	607.5	429.6	41 फै	482.7	431.8	12 एन
32. तटीय कर्नाटक	590.3	257.9	129 फै	430.5	258.0	67 फै
33. उत्तरी भीतरी कर्नाटक	165.8	136.8	21 फै	286.4	136.7	109 फै
34. दार्क्षणी भीतरी कर्नाटक	332.4	200.6	66 फै	202.8	199.7	2 एन
35. केरल	830.3	498.1	67 फै	529.3	498.5	6 एन
36. लक्ष्मीप	436.1	328.9	33 फै	388.3	328.9	18 एन
इ : अधिक अर्थात् + 20% या ज्यादा			18			13
एन : सामान्य अर्थात् + 19% से - 19%			7			10
डी : कम अर्थात् - 20% से - 59%			10			9
एस : छिटपुट अर्थात् - 60% या कम			1			4
एनआर : शून्य वर्षा अर्थात् - 100%			0			0
कुल			36			36

स्रोत: भारत मौसम विभाग।

## लेख

उत्तर-पूर्वी मानसून 2010: एक समीक्षा  
(1 अक्टूबर से 31 दिसंबर 2010 तक)

### विवरण 2: अधिक, सामान्य, कम, छिटपुट और वर्षा रहित जिलों की संख्या का राज्यवार वितरण

01.10.2010 से 31.12.2010

क्र.सं.	राज्य/केंद्र शासित प्रदेश	इ	एन	डी	एस	एनआर	एनडी	कुल
1	2	3	4	5	6	7	8	9
1	अंदमान तथा निकोबार द्वीपसमूह (केंद्र शासित प्रदेश)	3	0	0	0	0	0	3
2	आरणाचल प्रदेश	1	2	5	4	0	4	16
3	असम	0	4	10	10	0	3	27
4	मेघालय	1	2	0	1	0	3	7
5	नागालैंड	1	0	1	0	0	9	11
6	मणिपुर	1	0	0	0	0	8	9
7	मिजोरम	1	0	0	0	0	8	9
8	त्रिपुरा	3	1	0	0	0	0	4
9	सिक्किम	0	0	3	0	0	1	4
10	पश्चिम बंगाल	2	9	7	1	0	0	19
11	उड़ीसा	21	7	2	0	0	0	30
12	झारखण्ड	2	10	9	3	0	0	24
13	बिहार	7	10	10	11	0	0	38
14	उत्तर प्रदेश	4	10	14	41	2	0	71
15	उत्तरखण्ड	0	0	7	6	0	0	13
16	हरियाणा	0	4	9	5	3	0	21
17	चंडीगढ़ (केंद्र शासित प्रदेश)	0	1	0	0	0	0	1
18	दिल्ली	1	2	5	0	0	1	9
19	पंजाब	2	4	4	7	3	0	20
20	हिमाचल प्रदेश	3	5	4	0	0	0	12
21	जम्मू और काश्मीर	4	8	3	4	0	3	22
22	राजस्थान	24	5	2	1	1	0	33
23	मध्य प्रदेश	15	11	15	8	1	0	50
24	छत्तीसगढ़	17	6	1	2	0	0	26
25	गुजरात	1	1	0	0	0	0	2
26	दादरा तथा नगर हवेली एवं दमन (केंद्र शासित प्रदेश)	0	0	0	0	0	1	1
27	दीव (केंद्र शासित प्रदेश)	2	0	0	0	0	0	2
28	गोवा	23	10	2	0	0	0	35
29	महाराष्ट्र	7	4	6	1	0	0	18
30	आंप्र प्रदेश	19	3	1	0	0	0	23
31	तमिलनाडु	27	5	0	0	0	0	32
32	पुन्नेरी (केंद्र शासित प्रदेश)	0	2	0	0	0	2	4
33	कर्नाटक	21	7	1	0	0	0	29
34	केरल	12	2	0	0	0	0	14
35	लक्षद्वीप	1	0	0	0	0	0	1
	<b>कुल</b>	<b>226</b>	<b>135</b>	<b>121</b>	<b>105</b>	<b>10</b>	<b>43</b>	<b>640</b>

ई : अधिक

एन : सामान्य

डी : कम

एस : छिटपुट

एनआर : शून्य वर्षा

एनडी : आकड़े नहीं

स्रोत: भारत मौसम विभाग।